भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 131

जिसका उत्तर सोमवार, 24 नवंबर, 2014 को दिया जाना है

पंजाब में भारी उद्योगों की स्थापना

131. श्री रवनीत सिंह:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पंजाब में भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यमी इकाइयों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन इकाइयों का वार्षिक कारोबार और लाभ/हानि की मात्रा कितनी है और राज्य की अर्थव्यवस्था पर उनका प्रभाव क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा भारी उद्योगों और सार्वजनिक उद्यमों की स्थापना करके/बढावा देकर राज्य में विकास लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क और ख): चूंकि उद्योग राज्य का विषय है, इसलिए देश के विभिन्न राज्यों में स्थापित भारी उद्योगों की इकाइयों का भारी उद्योग विभाग में कोई केन्द्रीकृत आंकडा नहीं रखा जाता है। भारी उद्योग विभाग की भूमिका अपने प्रशासनिक नियंत्रणाधीन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के प्रशासन तक सीमित है। इनमें से केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के किसी भी उद्यम का पंजीकृत कार्यालय/मुख्यालय पंजाब राज्य में स्थित नहीं है।

(ग): इस विभाग की भारी उद्योगों की स्थापना करने/बढावा देने की कोई योजना नहीं है। बहुत से राज्यों ने भारी उद्योगों सहित उद्योगों के विकास और वृद्धि के लिए प्रोत्साहन और योजनाएं विकसित की हैं। केन्द्र सरकार भी वित्त मंत्रालय के माध्यम से पूरे देश में उद्योगों की वृद्धि के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर संरचना में प्रोत्साहन देती है।

*****